

हे नन्दलाला मदन गोपाला तेरे भरोसे ही थामा रे प्याला



हे नन्दलाला मदन गोपाला,
तेरे भरोसे ही थामा रे प्याला,
किसको याद करु मेरे श्याम,
एक तुही तो हे रखवाला।bd।

तर्ज – चाँदी की दिवार को।

किसी ने चरणामृत कह डाला,
कोई बतावे विष का प्याला,
आँखे मुंद कर देखा मेने,
हँसता दिख गया मुरली वाला।bd।

दासी कहे के गजब कर डाला,
मीरा पी गई विष का प्याला,
राणों कहे अब कोन बचाए,
कहाँ गया तेरा मुरली वाला।bd।

जब जब भक्तों पे आन पड़ी हे,
वो ही बना हे सबका ढाला,
अपनी फिकर ना की है उसने,
धरती पर आयो गोपाला।bd।

विष प्याला ना अमृत बना था,
वो तो था विष का ही प्याला,
मेरे हरि ने लिला करके,
विष का प्याला खुद पी डाला।bd।

विष प्याला जो अमृत बनता,
देवता लडकर पीते प्याला,
शिव का निला कण्ठ कर डाला,
हरि ने निला तन रंग डाला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हरि का इसमें बस चलता तो,
सबको मिलता अमृत प्याला,
कर्मों का जाला बुन करके,
हमी ने पाया विष का प्याला। bdi

रचनाकार – श्री सुभाषचन्द्र जी त्रिवेदी।
7869697758
